आकाशवाणी गोरखपुर
प्रादेशिक समाचार

दिनांक–27 मार्च 2026 **7:20 AM**

पहले मुख्य समाचार।

- मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया के गोरखपुर सेंटर का किया उद्घाटन। कहा–युवाओं को नवाचार, स्टार्टअप और रोजगार के नये अवसर प्रदान करेगा यह पार्क।
- केन्द्र सरकार ने पेट्रोल के स्टॉक को लेकर सोशल मीडिया पर चल रही भ्रामक सूचनाओं का किया खंडन। कहा–देश में कहीं भी पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कमी नहीं।
- जेवर में कल नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पहले चरण का उद्घाटन करेंगे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी। पीएम के दौरे को देखते हुए किए जा रहे हैं सुरक्षा के विशेष इंतजाम।
- श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के वातावरण में मनाई जा रही है रामनवमी। पर्व को लेकर अयोध्या में है विशेष उत्साह का माहौल। पवित्र सरयू नदी में स्नान कर मंदिरों में पूजा अर्चना कर रहे हैं श्रद्धालु।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कल गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण–गीडा में सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क्स ऑफ इंडिया–एसटीपीआई के गोरखपुर सेंटर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि यह टेक्नोलॉजी पार्क युवाओं को नवाचार, स्टार्टअप और रोजगार के नए अवसरों से जोड़ने वाला सशक्त मंच सिद्ध होगा। यह प्रदेश को डिजिटल विकास और टेक्नोलॉजी आधारित अर्थव्यवस्था की दिशा में नई गति प्रदान करेगा।

यहां के युवाओं के सपनों को एक नई उड़ान देने के लिए देश के स्वस्थ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी ने जिस सॉफ्ट स्किल को एक नई प्लेटफार्म उपलब्ध करवाया है। उस प्लेटफार्म की एक महत्वपूर्ण कड़ी है इस सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी पार्क और देश और दुनिया में जहां कहीं भी इस सॉफ्टवेयर की टेक्नोलॉजी आज अपनी धमक दिखा रही है। उसके पीछे यही मॉडल सब जगह सफल हुई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि पंन्द्रह अप्रैल को गोरखपुर में पूर्वी उत्तर प्रदेश के पहले सेंटर आफ एक्सीलेंस का शुभारंभ भी हो जाएगा। यह सेंटर आफ एक्सीलेंस महाराणा प्रताप इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में बना है।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि युद्ध लंबा खिंचा, तो हर व्यक्ति प्रभावित होगा। इसके लिए हमें मानसिक रूप से तैयार रहना होगा। उन्होंने लोगों से अफवाहों पर ध्यान नहीं देने की अपील की।

अफवाहों पर ध्यान नहीं देना होगा। जब आपत्ति आती है, कोई चुनौती आती है, चुनौती का मुकाबला करने के लिए व्यक्ति को सरकार के साथ मिलकर के कदम से कदम मिलाकर के चलने के लिए अपने आप को तैयार करना होगा। यही सच्ची राष्ट्रभक्ति होती है।

****

केन्द्र सरकार ने कल कहा कि भारत के पास कुल चौहत्तर दिनों की आरक्षित क्षमता है और कच्चे तेल, उत्पाद भंडार और भूमिगत भंडारों में बने विशेष कार्यनीतिक भंडारण को मिलाकर वास्तविक स्टॉक लगभग साठ दिनों का है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने फिर कहा कि भारत में पेट्रोलियम और एलपीजी की आपूर्ति की स्थिति पूरी तरह सुरक्षित और नियंत्रण में है। मंत्रालय ने कहा कि देश में कहीं भी पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कमी नहीं है। एक रिपोर्ट–

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने कहा कि देशभर में एलपीजी की कोई कमी नहीं है। घरेलू रिफाइनरी उत्पादन में 40 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। मंत्रालय ने बताया कि लगभग एक महीने की आपूर्ति पूरी तरह सुनिश्चित है और अतिरिक्त खरीद को लगातार अंतिम रूप दिया जा रहा है। मंत्रालय के अनुसार तेल कंपनियां प्रतिदिन 50 लाख से अधिक सिलेंडर सफलतापूर्वक वितरित कर रही हैं। जमाखोरी या कालाबाजारी से बचने के लिए राज्य सरकारों से परामर्श करके वाणिज्यिक सिलेंडरों का आवंटन भी बढ़कर 50 प्रतिशत कर दिया गया है। मंत्रालय ने बताया कि घरेलू उत्पादन के अतिरिक्त अमरीका, रूस, ऑस्ट्रेलिया और अन्य देशों से आठ सौ हजार मैट्रिक टन एलपीजी कार्गो पहले से ही सुरक्षित है। दीपेंद्र कुमार के साथ सकलेन अख्तर आकाशवाणी समाचार दिल्ली।

केन्द्र सरकार ने सोशल मीडिया पर चल रही उस सूचना का खंडन भी किया है जिसमें दावा किया गया है कि पेट्रोलियम मंत्रालय ने घोषणा की है कि भारत में केवल दो दिन का पेट्रोल शेष है। पत्र सूचना कार्यालय की फैक्ट चेक इकाई ने कहा है कि पेट्रोलियम मंत्रालय ने ऐसी कोई भी घोषणा नहीं की है।

इस बीच, पेट्रोल, डीजल और गैस की कमी को लेकर फैल रही अफवाहों पर नियंत्रण के लिए प्रदेश सरकार भी सख्त हो गई है। लखनऊ, गोरखपुर, वाराणसी, प्रयागराज, चित्रकूट और बस्ती सहित विभिन्न जिलों में कल कई पेट्रोल पंपों पर पुलिस की मौजूदगी में पेट्रोल की बिक्री हुई। सुल्तानपुर में जिलाधिकारी कुमार हर्ष के निर्देश पर जिला आपूर्ति अधिकारी ने कई पेट्रोल पंपो और गैस एजेंसियों पर छापेमारी कर ईधन स्टॉक और आपूर्ति व्यवस्था की जांच की। अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जिलों में पेट्रोल, डीजल और घरेलू गैस की कोई कमी नहीं है, पर्याप्त स्टॉक उपलब्ध हैं। लोगों से अपील की जा रही है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और घबराकर ईंधन की खरीददारी ना करें। किसी भी समस्या पर कंट्रोल रूम के नंबर पर संपर्क किया जा सकता है।

****

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कल प्रदेश के जेवर स्थित नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के पहले चरण का उद्घाटन करेंगे। इसे लगभग ग्यारह हजार दो सौ करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया गया है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री जनसभा को संबोधित करेंगे। उनके आगमन को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था के विशेष इंतजाम किये जा रहे है। एक रिपोर्ट–

नोएडा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, भारत की सबसे बड़ी ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा परियोजनाओं में से एक है। इस हवाई अड्डे का उद्घाटन, भारत के वैश्विक विमानन केंद्र बनने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह हवाई अड्डा उन्नत कार्गो प्रणाली से सुसज्जित है। इससे प्रति वर्ष ढाई लाख मीट्रिक टन माल की ढुलाई की जा सकेगी, जिसे लगभग 18 लाख मीट्रिक टन तक बढ़ाया जा सकता है। यह हवाई अड्डा अंतर्राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के लिये एक प्रमुख अंतर्राष्ट्रीय प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करेगा, क्षेत्रीय और वैश्विक कनेक्टिविटी को नई ऊंचाइयों तक ले जायेगा। तकनीकी दृष्टि से भी यह हवाई अड्डा अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस है। विशाल धर दुबे, आकाशवाणी समाचार, गौतमबुद्ध नगर।

****

प्रदेश सरकार में वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में वाराणसी में आर्थिक, सामाजिक और भौतिक ढांचे में व्यापक बदलाव हुए । श्री खन्ना ने वाराणसी में आयोजित पत्रकार वार्ता में कहा कि पैंतीस हजार करोड़ रूपए से अधिक की लागत वाली परियोजनाएं पूरी हो गई है, जबकि कई अन्य बड़ी परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। इससे पहले एक अन्य कार्यक्रम में वित्त मंत्री ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को लाभान्वित किया।

लोग बनारस को एक मॉडल शहर के रूप में देखने आते हैं। जिस दिन से मोदी जी आए 53,000 करोड़ की परियोजना है, जिसमें से बड़े पैमाने पर योजनाएं पूर्ण हो चुकी है।

वहीं, नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री ए.के. शर्मा ने भदोही में प्रदेश सरकार के नौ वर्ष पूरा होने पर आयोजित कार्यक्रम में कहा कि वर्ष दो हजार सैंतालीस तक विकसित भारत के निर्माण के लिये जनभागीदारी आवश्यक है।

****

रामनवमी का पर्व आज श्रद्धा, भक्ति और हर्षोल्लास के वातावरण में मनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को पर्व की बधाई दी है। एक सोशल मीडिया संदेश में उन्होंने कहा कि रामनवमी का यह पर्व हमें प्रेरित करता है कि हम अपने आचरण में सत्य, व्यवहार में करुणा और समाज में समरसता को स्थान दें।

रामनवमी को लेकर अयोध्या में विशेष उत्साह का माहौल है। वहां मध्य रात्रि से ही श्रद्धालु सरयू नदी में स्नान करके प्रमुख मंदिरों में पूजा–अर्चना कर रहे है प्रस्तुत है एक रिपोर्ट–

राम नवमी के उत्सव के लिए हजारों श्रद्धालु प्रभु राम की नगरी अयोध्या पहुंच चुके हैं। लोग विभिन्न मंदिरों में भगवान राम के दर्शन करने से पहले सरयू नदी और राम की पैड़ी में स्नान कर रहे हैं। भगवान राम के जन्मदिन के उपलक्ष्य में अयोध्या के 5000 से अधिक मंदिरों को भव्य रूप से सजाया गया है। श्री राम जन्मभूमि मंदिर में, सुबह भगवान राम के अभिषेक के बाद, ठीक दोपहर 12रू00 बजे गर्भगृह में सूर्य तिलक होगा, जब सूर्य की किरणें लगभग चार मिनट तक रामलला के माथे पर पड़ेंगी, ये एक दिव्य और ऐतिहासिक क्षण होगा। इसके बाद 56 भोग प्रसाद चढ़ाए जाएंगे। इस अवसर पर मंदिर के गर्भगृह में एक फूल बंगला भी सजाया गया है। तीर्थयात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर सुबह से लेकर देर रात तक दर्शन के लिए खुला रहेगा। आज शाम चित्रकूट में मंदाकिनी नदी के किनारे एक और भव्य आयोजन होगा, जहां रामनवमी के उपलक्ष्य में लगभग 22 लाख दीये जलाए जाएंगे। सुशील चंद्र तिवारी, आकाशवाणी समाचार लखनऊ।

इस बीच, चैत्र नवरात्र के आठवें दिन कल प्रदेश भर के शक्तिपीठों और देवी मंदिरों में मां महागौरी की पूजा अर्चना की गयी। लोगों ने घरों में हवन, पूजन कर कन्याओं को भोज भी कराया। कई जिलों में कल भी रामनवमी का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।

****